उदयपुर। समारोह को संबोधित करते अतिथि व उपस्थित संभागी।

अजा जजा वर्ग के 453 विद्यार्थी सम्मानित

प्रातःकाल - 29-04-2013

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अजा जजा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रविवार को सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अजा जजा वर्ग के 453 प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जजा आयोग के अध्यक्ष रामेश्वर उरांव ने कहा कि सरकार द्वारा आदिवासी क्षेत्रों के लिए आवंटित राशि का पूरा और प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए ताकि इस वर्ग को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों से कहा कि आज जमाना बदल गया है प्रतियोगिता भी बढ़ गई है इसके लिए खुद को तैयार करना होगा। आरक्षण की बात पर उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय और सत्ता में भागीदारी के लिए आरक्षण आवश्यक है।

इस अवसर पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर पी सिसोदिया ने कहा कि विद्यार्थियों को हर बदलाव पर नजर रखनी चाहिए तथा खुद को तकनीकी तौर पर सक्षम बनाना चाहिए ताकि वह हर मोर्चे पर खुद को साबित कर सके। विशिष्ट अतिथि न्यायमूर्ति विनोद शंकर दवे ने गीता के श्लोक का उदाहरण देते हुए कहा कि यह समय आत्मनिरीक्षण का समय है, लगातार काम करने का समय है। उन्होंने कहा कि वे 80 बरस के हो गए है लेकिन आज भी रोजाना 16 घंटे काम करते है। युवा एवं खेल मामलों के राज्य मंत्री मांगीलाल गरासिया ने कहा कि विद्यार्थी अपनी ताकत को पहचाने तथा प्रगति के अवसरों को पहचानते हुए आगे बढ़ें। कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति प्रो आईवी त्रिवेदी ने विवि में अजा जजा विद्यार्थियों के लिए किए जा रहे काम काज के बारे में भी बताया। मंच पर उदयपुर सांसद रघुवीर मीणा तथा जजा आयोग के सदस्य पूर्व सांसद भेरुलाल मीणा तथा कार्यक्रम समन्वयक डा संजय लोढा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर सन 2006 से 2011 तक की विभिन्न परीक्षाओं में अव्वल रहने वाले, नेट स्लेट उत्तीर्ण करने वाले तथा खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अजा जजा के 453 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अजा जजा प्रकोष्ठ के समन्वयक डा हनुमान प्रसाद ने सभी का स्वागत किया। रजिस्ट्रार एलएन मंत्री ने धन्यवाद दिया। संचालन डा नीतू परिहार ने किया।

राजस्थान पत्रिका
उदयपुर, सोमवार
29.04.2013
लेकसिटी

समारोह | सुखाड़िया विश्वविद्यालय में 453 अजा-जजा विद्यार्थी सम्मानित

मिला सम्मान, टेबलेट का इंतजार

उदयपुर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में रविवार को अजा-जजा प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में गत छह वर्षों में पढ़ चुके 453 प्रतिभावान अजा-जजा विद्यार्थियों का सम्मान हुआ। वर्ष 2006 से 2011 तक की विभिन्न परीक्षाओं में अव्वल, नेट-स्लेट उत्तीर्ण और खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन पर उन्हें प्रमाण-पत्र और स्मृति चिह्न दिए गए। हालांकि इस दौरान विद्यार्थियों को आकाश टेबलेट नहीं देने पाने का कुलपति को मलाल रहा।

समारोह के मुख्य अतिथि जनजाति आयोग अध्यक्ष रामेश्वर उरांव ने आदिवासी क्षेत्रों के लिए आवंटित राशि का पूरा उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों से प्रतियोगिता के दौर में खुद को तैयार रखने का आह्वान किया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर.पी. सिसोदिया ने विद्यार्थियों को हर बदलाव पर नजर रखने और खुद को तकनीकी तौर पर सक्षम बनाने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि न्यायाधीश विनोद शंकर

सुविवि सभागार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति सम्मान समारोह में उपस्थित विद्यार्थी व मंचस्थ अतिथि।

दवे ने अपने कर्त्तव्य पूरी निष्ठा से निर्वहन पर अधिकार छीनने की ताकत स्वतः आने और आत्मनिरीक्षण व लगातार कर्मशील रहने की बात कही। समारोह में युवा एवं खेल मामलात राज्यमंत्री मांगीलाल गरासिया, सांसद रघुवीर मीणा और जजा आयोग के सदस्य व पूर्व सांसद भैरुलाल मीणा तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय लोढ़ा भी मौजूद थे। संचालन नीतू परिहार ने किया।

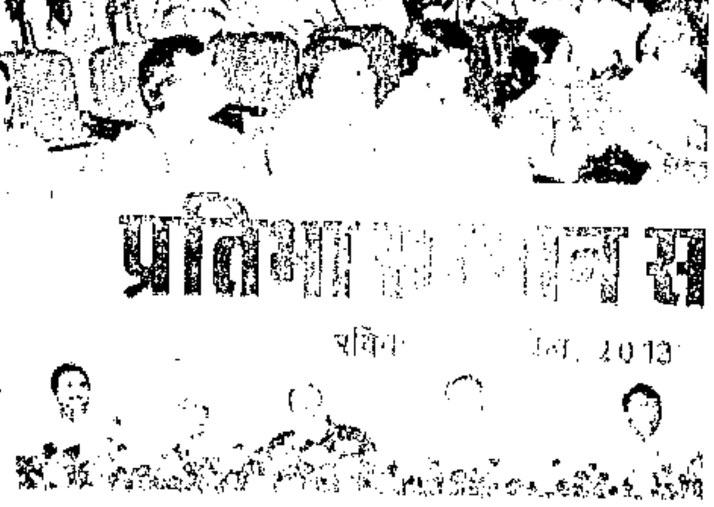

मिलते ही बांट देंगे

कुलपति आईवी त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को आकाश टेबलेट उपलब्ध कराने की पूर्व में घोषणा की थी, जो लम्बे समय से आपूर्ति नहीं होने के चलते अधूरी रही। कला महाविद्यालय के विक्रम खटीक ने इस संबंध में आपत्ति जताई है, जबकि प्रो. त्रिवेदी ने मंत्रालय को लिखे पत्र का हवाला देते हुए आपूर्ति होते ही वितरित करने का भरोसा दिलाया।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में सम्मान समारोह आज

जय-राजस्थान

उदयपुर, 28 अप्रेल। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के प्रतिभावान 455 विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु सम्मान समारोह 28 अप्रेल, 2013 को प्रात: 11.00 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह के सफल संचालन एवं आयोजन हेतु 12 समितियाँ बनायी गयी है।

समारोह के मुख्य अतिथि श्री रामेश्वर ऊराँव, अध्यक्ष, अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जस्टिस वी.एस. दवे, सेवानिवृत न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं आर.पी. सिसोदिया, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन मंत्रालय, नई दिल्ली होगें। इसके अतिरिक्त श्री रघुवीसिंह मीणा, सांसद, उदयपुर, महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, माननीय मंत्री, श्री मांगीलाल गरासिया, माननीय मंत्री, राजस्थान सरकार एवं श्रीमती सज्जन कटारा, विधायक, उदयपुर ग्रामीण सम्मानित अतिथि होंगे।

प्रकोष्ठ के समन्वयक डा. हनुमान प्रसाद ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 74 नेट/जे.आर.एफ./स्लेट, 85 पीएच.डी/एम.फिल./ स्नातकोत्तर, 44 स्नातक एवं बी.एड. के 242, बी.पी.एड. के 01 विद्यार्थी जिन्होंने 65 प्रतिशत व इससे अधिक अंक इस विश्वविद्यालय की 2006-07 से 2010-11 तक की आयोजित परीक्षाओं मे प्राप्त किए उन्हें सम्मानित किया जावेगा। इस तरह कुल 456 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जावेगा।

इस सम्मान समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. संजय लोढ़ा ने बताया कि कार्यक्रम के सम्मानित होने वालें सभी विद्यार्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाईड www.mlsu.com.in पर अपलोड कर दी गयी है।

सुविवि में अजा जजा के 453 विद्यार्थियों का सम्मान आज

उदयपुर, 28 अप्रेल। मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय के एससी एसटी सेल की ओर से रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन होगा।

एससी एसटी सेल के प्रभारी डा हनुमान प्रसाद ने बताया कि विवि आडिटोरियम में सुबह 11 बजे होने वाले इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो आईवी त्रिवेदी करेंगे। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अजा जजा आयोग के अध्यक्ष रामेश्वर उरांवए जस्टिस वीएस दवे तथा मानव संसाधन विकास मन्त्रालय में संयुक्त सचिव आरवी सिसोदिया होंगे। इस समारोह में शैक्षिक सत्र 2006 से 2011 तक स्नातकए स्नातकोत्तर में अव्वल रहने वालेए इस दौरान पीएच डी करने वालेए नेट स्लेट परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले तथा राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 453 विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह दे कर सम्मानित किया जाएगा।

अनुसूचित जनजाति के 453 विद्यार्थियों का सम्मान आज

दैनिक-भास्कर-28 04 2013

उदयपुर. सुखाड़िया विश्वविद्यालय के एससी एसटी सेल की ओर से रविवार को आयोजित सम्मान समारोह में 453 विद्यार्थियों का सम्मान होगा। एससी एसटी सेल के प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद ने बताया कि विवि ऑडिटोरियम में सुबह 11 बजे होने वाले इस समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो.आई. वी. त्रिवेदी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अजा-जजा आयोग के अध्यक्ष रामेश्वर उरांव, जस्टिस वीएस दवे और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में संयुक्त सचिव आर.वी. सिसोदिया होंगे। समारोह में शैक्षिक सत्र 2006 से 2011 तक के ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट में अव्वल रहने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा। पीएचडी, नेट, स्लेट परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले तथा राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में अच्छा प्रदर्शन करने वाले 453 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रातःकाल 28 अप्रैल रविवार 2013

सुविवि में 455 अजा जजा छात्रों का सम्मान आज

राष्ट्रीय अजा जजा आयोग अध्यक्ष आएंगे

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति, जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के प्रतिभावान 455 विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु सम्मान समारोह रविवार प्रात: 11 बजे विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया जा रहा है।

समारोह के मुख्य अतिथि अनुसूचित जनजाति आयोग, नई दिल्ली के अध्यक्ष रामेश्वर उरांव होंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश जस्टिस वी.एस. दवे, मानव संसाधन मंत्रालय के संयुक्त सचिव आरपी सिसोदिया होगें। समारोह में सांसद रघुवीसिह मीणा, प्रभारी मंत्री महेन्द्रजीत सिंह मालवीया, खेल एवं युवा मामले के राज्यमंत्री मांगीलाल गरासिया, विधायक सज्जन कटारा सम्मानित अतिथि होंगे। प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. हनुमान प्रसाद ने बताया कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के 74 नेट, जे.आर.एफ., स्लेट, 85 पीएचडी, एमफिल, स्नातकोत्तर, 44 स्नातक एवं बी.एड. के 242, बी.पी.एड. के 1 विद्यार्थी जिन्होंने 65 प्रतिशत व इससे अधिक अंक इस विश्वविद्यालय की 2006-07 से 2010-11 तक की आयोजित परीक्षाओं मे प्राप्त किए उन्हें सम्मानित किया जावेगा। इस तरह कुल 456 विद्यार्थियों को सम्मानित किया जावेगा। सम्मान समारोह आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. संजय लोढ़ा ने बताया कि कार्यक्रम के सम्मानित होने वालें सभी विद्यार्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाईड पर अपलोड कर दी गयी है। इस सूची में छात्रों के कोड नम्बर भी दर्शाये गये है। छात्रों को प्रात: 8.30 बजे विश्वविद्यालय सभागार मे उपस्थित होकर अपने मूल दस्तावेजों व फोटो पहचान पत्र दिखाकर उक्त कोड का पास प्राप्त करना होगा। उसके पश्चात् उन्हें इस कोड के लिये तय स्थान पर बैठन होगा।

राजस्थान पत्रिका
उदयपुर . सोमवार
29.04.2013
लोकसिटी

समारोह | सुखाड़िया विश्वविद्यालय मे 453 अजा-जजा विद्यार्थी सम्मानित

मिला सम्मान, टेबलेट का इंतजार

उदयपुर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में रविवार को अजा-जजा प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित कार्यक्रम में गत छह वर्षों में पढ़ चुके 453 प्रतिभावान अजा-जजा विद्यार्थियों का सम्मान हुआ। वर्ष 2006 से 2011 तक की विभिन्न परीक्षाओं में अव्वल, नेट-स्लेट उत्तीर्ण और खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन पर उन्हें प्रमाण-पत्र और स्मृति चिह्न दिए गए। हालांकि इस दौरान विद्यार्थियों को आकाश टेबलेट नहीं देने पाने का कुलपति को मलाल रहा।

समारोह के मुख्य अतिथि जनजाति आयोग अध्यक्ष रामेश्वर उरांव ने आदिवासी क्षेत्रों के लिए आवंटित राशि का पूरा उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों से प्रतियोगिता के दौर में खुद को तैयार रखने का आह्वान किया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव आर.पी. सिसोदिया ने विद्यार्थियों को हर बदलाव पर नजर रखने और खुद को तकनीकी तौर पर सक्षम बनाने की सलाह दी। विशिष्ट अतिथि न्यायाधीश विनोद शंकर दवे ने अपने कर्त्तव्य पूरी निष्ठा से निर्वहन पर अधिकार छीनने की ताकत स्वतः आने और आत्मनिरीक्षण व लगातार कर्मशील रहने की बात कही। समारोह में युवा एवं खेल मामलात राज्यमंत्री मांगीलाल गरासिया, सांसद रघुवीर मीणा और जजा आयोग के सदस्य व पूर्व सांसद भैरूलाल मीणा तथा कार्यक्रम समन्वयक डॉ. संजय लोढ़ा भी मौजूद थे। संचालन नीतू परिहार ने किया।

सुविवि सभागार में अनुसूचित जाति एवं जनजाति सम्मान समारोह में उपस्थित विद्यार्थी व मंचस्थ अतिथि।

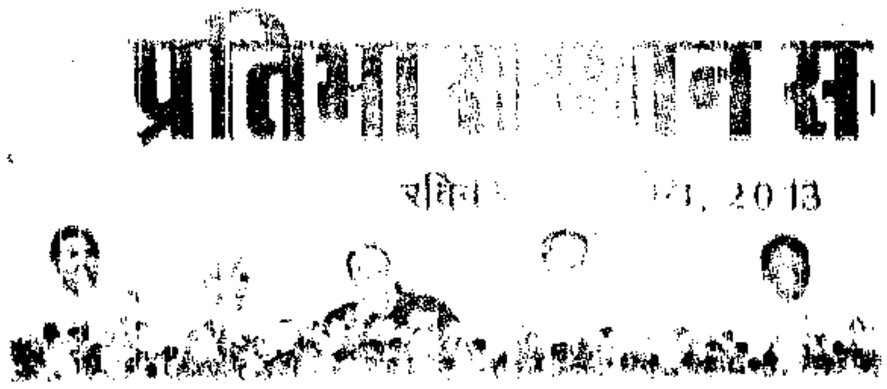

मिलते ही बांट देंगे

कुलपति आईवी त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को आकाश टेबलेट उपलब्ध कराने की पूर्व में घोषणा की थी, जो लम्बे समय से आपूर्ति नहीं होने के चलते अधूरी रही। कला महाविद्यालय के विक्रम खटीक ने इस संबंध में आपत्ति जताई है, जबकि प्रो. त्रिवेदी ने मंत्रालय को लिखे पत्र का हवाला देते हुए आपूर्ति होते ही वितरित करने का भरोसा दिलाया।

नौकरियों, खनन पट्टों में टीएसपी क्षेत्र के लोगों को अधिक अवसर की पैरवी

जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की बैठक ली

भास्कर न्यूज | बांसवाड़ा

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उरांव ने बुधवार को सर्किट हाउस मे जिले के जनप्रतिनिधियों की बैठक ली। इस दौरान टीएसपी क्षेत्र में खनन पट्टों के आवंटन और नौकरियों में यहां के लोगों को ज्यादा से ज्यादा प्राथमिकता दिए जाने की मांग उठी।

आदिवासी महासंगमम के डॉ. वेलाराम घोघरा ने अलग से टीएडी आयुक्त नियुक्त करने की बात कही। उन्होंने कहा कि योजनाओं का ठीक से क्रियान्वयन नहीं होने से न तो आदिवासियों का और न ही आदिवासी क्षेत्र का विकास हो पा रहा है। इसके लिए स्वतंत्र आयुक्त नियुक्त होना चाहिए। साथ ही उन्होंने खनन पट्टों के आवंटन, नौकरियों में टीएसपी क्षेत्र के लोगों को अधिक अवसर देने की बात कही।प्रो.मोहनलाल डामोर ने क्षेत्र को भील स्टेट बनाने के बजाए मानगढ़ स्टेट बनाने की मांग की।

बैठक में डॉ. उरांव ने जिला कलेक्टर से कहा वे विद्यार्थियों के प्रमाण पत्र विद्यालय स्तर पर ही तैयार करवाएं ताकि उनको किसी भी में परेशानी नहीं हो। इस दौरान मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया, संसदीय सचिव नानालाल निनामा, आयोग के सदस्य भैरूलाल मीणा, जिला प्रमुख श्रीमती रेशम मालवीया, विधायक अर्जुनसिंह बामनिया, कांता भील, जिला कलेक्टर कुंजबिहारी गुप्ता, जिला परिषद के सीईओ विजयसिंह नाहटा, आयोग की उप निदेशक श्रीमती के. डी. बांसुर एवं रिसर्च अधिकारी वी.पी.सिंघल सहित अनेक अधिकारी एवं जन प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

मालवीया ने जनजाति विकास को बताया अपूर्व : बैठक में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री महेन्द्रजीत-सिंह मालवीया ने आदिवासी क्षेत्रों में विकास के आधुनिक सरोकारों का जिक्र किया और कहा कि रेल, थर्मल पावर और नवीन संस्थाओं की वजह से यहां विकास की रफ्तार और अधिक तेज हुई है और आने वाला समय जनजाति क्षेत्रों में विकास के ऐतिहासिक कीर्तिमान दर्शाने वाला होगा।

निरीक्षण करने आए जांचकर्ताओं अधीक्षक ... घोटाले मामले में लिप्त अन्य लोगों के खिलाफ भी जांच कर रही है।

'केन्द्र सरकार के लिए राजस्थान मॉडल'

राजस्थान सरकार की योजनाओं को सराहा

बांसवाड़ा

banswara@patrika.com

बांसवाड़ा के दौरे पर आए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उरांव ने राजस्थान सरकार की ओर से चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार के लिए राजस्थान एक मॉडल है। वे बुधवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान सरकार एक रुपए किलो गेहूं, शौचालय निर्माण के लिए स्वीकृतियां, निःशुल्क दवा और जांच योजना, प्रशासन गांवों के संग, मनरेगा में काम की अवधि जैसी उपलब्धियों को एक मॉडल बताया। उन्होंने कहा कि वे इन योजनाओं देश के अन्य राज्यों में भी लागू करवाने के लिए राष्ट्रपति को रिपोर्ट देंगे। तीन दिनों तक जिले के ग्रामीण अंचल का दौरा करने वाले उरांव ने कहा कि आदिवासियों के लिए दो बातें सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती हैं, विकास और सुरक्षा।

राजस्थान में, विशेष कर टीएसपी क्षेत्र में आदिवासियों के लिए जो योजनाएं लागू हैं, वह विकास का सही मापदंड पेश करती है। रही सुरक्षा की बात, तो इसमें और ध्यान देने की आवश्यकता है। आदिवासी को सुरक्षा देने के लिए सबसे पहले बात उसकी जमीन नहीं ली जाए। अगर उसकी जमीन लेने की जरूरत है तो उसे मुआवजा भी उचित मिलना चाहिए और पुनर्वास के लिए भी पुख्ता व्यवस्था हो।

खनन आवंटन की पड़ताल

जिले में एक बड़े मार्बल समूह को आवंटित खानों का मुद्दा भी उरांव तक पहुंचा। मुद्दे की गंभीरता को देखते हुए उरांव ने कहा कि वे इसे आयोग की बैठक में रखेंगे और राष्ट्रपति को रिपोर्ट देंगे। आदिवासियों की जमीन किसी भी हालत में नहीं जाने दी जाएगी।

आदिवासी छात्रों को भी रहना पड़ेगा अपडेट : उरांव

सुविवि के अजा-जजा प्रकोष्ठ के 453 विद्यार्थियों का सम्मान

नगर संवाददाता | उदय

सरकार द्वारा आदिवासी क्षेत्रों के लिए आवंटित राशि का पूरा और प्रभावी उपयोग किया जाना चाहिए। अब जमाना बदल गया है प्रतियोगिता भी बढ़ गई है, इसके लिए आदिवासी छात्रों को अपडेट रखना ही होगा। यह आह्वान जनजाति आयोग के अध्यक्ष रामेश्वर उरांव ने किया। अवसर था सुखाड़िया सभागार में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह का। इस अवसर पर 2006 से 2011 तक की विभिन्न परीक्षाओं में अव्वल रहने वाले, नेट-स्लेट उत्तीर्ण तथा खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले अजा-जजा के 453 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र तथा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय की ओर से रविवार को अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रों का सम्मान समारोह हुआ।

बदलाव का कारक बनें: उरांव ने कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री और रोजगार तक सीमित नहीं रखकर, जीवन निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करें। राजनीति का हिस्सा भले ना बनें, लेकिन स्वयं को इतना सशक्त बनाएं कि राजनीति में बदलाव का कारक बन जाएं। सामाजिक न्याय और सत्ता में भागीदारी के लिए आरक्षण आवश्यक है। कार्यक्रम में एमएचआरडी संयुक्त सचिव आरपी सिसोदिया ने कहा कि विद्यार्थियों को हर बदलाव पर नजर रखनी चाहिए तथा खुद को तकनीकी तौर पर सक्षम बनाना चाहिए, ताकि वे हर मोर्चे पर खुद को साबित कर सकें। विशिष्ट अतिथि जस्टिस विनोद शंकर दवे ने कहा कि जब हम कर्तव्य पूरी निष्ठा से करते हैं तो अपने अधिकार छीनने की ताकत अपने आप आ जाती है। राज्य मंत्री भांगीलाल गरासिया ने सम्मानित हुए विद्यार्थियों से कहा कि वे अपनी ताकत को पहचानें तथा प्रगति के अवसरों को पहचानते हुए आगे बढ़ें। कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्बोधन कुलपति प्रो आईवी त्रिवेदी ने दिया। उन्होंने विवि में अजा-जजा विद्यार्थियों के लिए किए जा रहे कामकाज के बारे में भी बताया।

विकास का लाभ पाने शिक्षा और जागरुकता सर्वोपरि : डॉ. उराव

[illegible]

केबिनेट मंत्री मालवीया ने बड़ोदिया को दी कई सौगातें

[illegible]

विकास का लाभ पाने शिक्षा और जागरुकता सर्वोपरि : डॉ. उराव

बांसवाड़ा, 30 अप्रेल। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग,नई दिल्ली के अध्यक्षडॉ. रामेश्वर उराव ने कहा है कि आदिवासियों के समग्र उत्थान और आदिवासी क्षेत्रों के व्यापक तथा दीर्घकालीन विकास के लिए केन्द्र और राज्य सरकार भरपूर प्रयास कर रही है और इसका आदिवासी जनजीवन पर बेहतर प्रभाव भी दिख रहा है लेकिन और अधिक बदलाव लाने के लिए आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा और जागरुकता का विस्तार जरूरी है।

आयोग अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उराव ने मंगलवार को बांसवाड़ा जिले के बड़ोदिया में 1.77 लाख की लागत से बने जनजाति बालिका आश्रम छात्रावास के उद्घाटन एवं आनन्दपुरी के पाटिया गलिया में साढ़े चार करोड़ की लागत से बनने वाले हरिदेव जोशी केनाल की आधारशिला रखने के बाद समारोह में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया।

समारोह में ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री महेन्द्रजीतसिंह मालवीया,जिला प्रमुख श्रीमती रेशम मालवीया, आयोग के सदस्य भैरूलाल मीणा , उप निदेशक श्रीमती के. डी. बांसुर एवं रिसर्च अधिकारी वीरेन्द्र सिंह, एमुख समाजसेवी चांदमल जैन एवं अन्य अतिथियों के साथ इस आश्रम छात्रावास का फीता काट कर तथा उद्घाटन पट्टिका का अनावरण कर लोकार्पण किया व हरिदेव जोशी केनाल के आधारशीला पट्टीका का अनावरण किया।

इस मौके पर बागीदौरा पंचायत समिति के प्रधान सुभाष तम्बोलिया, प्रधान आनन्दपुरी वेलजी भाई सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक की अध्यक्षा श्रीमती शांता गरासिया, समाजसेवी चांदमल जैन, अर्जुन पाटीदार, रवीन्द्र पारगी, शांतिलाल खोडनिया, पुरूषोतम जोशी, सुरेश जैन, नथमल जैन, मणीलाल पटेल, दीपक पानेरी, विनोद शुक्ला, श्रीमती सविता देवी, श्रीमती शकुन्तलादेवी, जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के परियोजना गुलाबसिंह मछार, बागीदौरा के विकास अधिकारी विवेक कछारा, आईसीडीएस की उपनिदेशक लीला पांडियार सहित क्षेत्र के जिला परिषद व पंचायत समिति सदस्यों, सरपंचों एवं सामाजिक कार्यकर्त्ताओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

समारोह में जिला प्रमुख श्रीमती रेशम मालवीया ने महिलाओं को आह्वान किया कि वे अपनी बालिकाओं को नियमित विद्यालय भेजने में अपनी अहम भूमिका का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत महिला आरक्षण से महिलाओं में जागृति आई है और अपने क्षेत्र के विकास में भी अपनी भागीदारी निभा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि सरकार द्वारा संचालित तमाम योजनाओं का पूरा- पूरा लाभ उठा कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि बालिका छात्रावास के बन जाने से बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और अधिक से अधिक बालिकाओं को पढ़ा लिखा कर डाक्टर व इंजीनियर बनाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा महिलाओं से जुडी स्वास्थ्य, शिक्षा व अन्य कल्याणकारी योजनाओं का समय पर उपयोग कर अपना व अपने परिवार का विकास करें। समारोह में समाजसेवी चादमल जैन ने अतिथियों को स्वागत करते हुए राज्य सरकार की सभी योजनाओं का पूरा - पूरा लाभ उठाने की बात ग्रामीणजनों से कही। वही आनन्दपुरी प्रधान वेलजी भाई डामोर ने भी राज्य सरकार की द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का समय पर लाभ उठाने की बात कही।

केबिनेट मंत्री मालवीया ने बड़ोदिया को दी कई सौगातें

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोगनई दिल्ली के अध्यक्षडॉ. रामेश्वर उराव ने कहा कि सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की संख्या खूब हैं, लेकिन इनकी जानकारी आम ग्रामीणों तक पहुंचाने और इनसे लाभान्वित कर ग्रामीणों की आर्थिक हैसियत में सुधार लाना तथा गांवों में बुनियादी लोक सेवाओं से विकास को नई गति प्रदान करने के लिए शिक्षा और जागरुकता जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों की वजह से आदिवासी क्षेत्रों में आज हालात बदले हैं और गांवों में विकास की कई संभावनाओं को आकार मिला है और विकास की मुख्य धारा का लाभ आदिवासियों को प्राप्त होने लगा है तथा हर क्षेत्र में विकास का सुनहरा परिदृश्य सामने नजर आ रहा है।

समारोह को संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री महेन्द्रजीतसिंह मालवीया ने राजस्थान में जनजाति विकास के तमाम आयामों तथा योजनाओं की जानकारी दी और इनका फायदा उठाने के लिए आगे आने का आह्वान ग्रामीणों से किया।

केबिनेट मंत्री मालवीया ने बड़ोदिया के विकास की दृष्टि से समारोह में अनेक घोषणाएं की जिनका ग्रामीणों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। मालवीया ने बड़ोदिया के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनवाने और नंदौड़ पेयजल योजना के लिए सवा करोड़ रुपए मुहैया कराने की घोषणा की और कहा कि इससे आस-पास के दो दर्जन से ज्यादा गांवों को पेयजल सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।आश्रम छात्रावास परिसर में ही आवासीय विद्यालय खोलने के लिए 2 करोड मुहैया कराने की घोषणा की ।

समारोह में केबिनेट मंत्री मालवीया ने कहा कि हरिदेव जोशी केनाल बनने से पांच किलोमीटर में जाकर कितने ही किसानों के खेतों को पानी पहुंचायेगी जिससे अनाज का भरपुर उत्पादन होगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास, पंचायतीराज सशक्तिकरण, आम आदमी के कल्याण और सामाजिक दायित्वों के बेहतर ढंग से निर्वहन के लिए सरकार ने ऐतिहासिक काम किए हैं जो बेमिसाल है और इससे आम जन में सर्वत्र प्रसन्नता व्याप्त है। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास और गरीबों का उत्थान सरकार की प्राथमिकता पर है और यही कारण है कि आम आदमी के लिए जरूरी सभी प्रकार की योजनाओं को पूरी व्यापकता के साथ क्रियान्वित किया गया है।

आयोग के सदस्य भैरूलाल मीणा ने ग्रामीणों से कहा कि सरकार ने हमारे लिए जो कुछ करना था वह किया है तथा कर रही है। इसमें सरकार कहीं पीछे नहीं है। सरकारी प्रयासों का लाभ लेकर विकास को पाना हमारी अपनी जिम्मेदारी है । इसलिए हमें चाहिए कि तरक्की पाने के लिए खुद पहल कर आगे आएं। इससे पूर्व आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामेश्वर उराव एवं सदस्य बीएल मीणा तथा केबिनेट मंत्री मालवीया एवं अन्य अतिथियों का पुष्पहारों, साफों एवं शालों से शानदार स्वागत एवं अभिनंदन किया गया ।

बांसवाड़ा जिला

नल योजना के लिए 1.25 करोड़ की घोषणा

अजजा आयोग के अध्यक्ष डॉ. उराव और मंत्री मालवीया ने घाटोल क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए, कंठाव में लेम्पस भवन, रणछोड़जी पुलिया का शिलान्यास किया

[illegible]

[illegible]

51 किलो की फूलमाला पहनाकर स्वागत

[illegible]

झारखा तालाब के ओटे पर गेट लगेगा

[illegible]

माही नदी पर पुलिया का शिलान्यास

[illegible]

[illegible]

जगपुरा में बालिका छात्रावास का लोकार्पण

[illegible]

पेंशन शिविर में 155 आवेदन प्राप्त हुए

[illegible]

मंत्री ने छात्रावास का निरीक्षण किया

[illegible]

उद्घाटन आज

[illegible]

[illegible]